S. S. Jain Subodh P. G. College

AUTONOMOUS

Affiliated to University of Rajasthan

卐

परीक्षा योजना
एवं
विस्तृत पाठ्यक्रम संरचना

स्नातकोत्तर हिन्दी हेतु
(एम. ए. हिन्दी)
(सत्र : 2021–22 से प्रभावी)

हिन्दी विभाग

एस.एस. जैन सुबोध स्नातकोत्तर (स्वायत्तशासी) महाविद्यालय

रामबाग सर्किल, जयपुर – 302004

कला में स्नातकोत्तर

विषय : हिन्दी साहित्य

परीक्षा योजना एवं विस्तृत पाठ्यक्रम संरचना सत्र : 2021–22

सेमेस्टर : प्रथम (I)

प्रश्न पत्र संख्या	प्रश्न प्रत्र का नाम	ESE	Int.	Total	Duration (EOSE)
1	हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदिकाल एवं भक्तिकाल) (MHIN-101)	70	30	100	3 Hrs.
2	प्राचीन काव्य (MHIN-102)	70	30	100	3 Hrs.
3	काव्यशास्त्र -I (भारतीय) (MHIN-103)	70	30	100	3 Hrs.
4	हिन्दी गद्य -I (उपन्यास एवं निबन्ध) (MHIN-104)	70	30	100	3 Hrs.

सेमेस्टर : द्वितीय (II)

प्रश्न पत्र संख्या	प्रश्न प्रत्र का नाम	ESE	Int.	Total	Duration (EOSE)
1	हिन्दी साहित्य का इतिहास (रीतिकाल एवं आधुनिक काल) (MHIN-201)	70	30	100	3 Hrs.
2	मध्यकालीन काव्य (MHIN-202)	70	30	100	3 Hrs.
3	काव्यशास्त्र -II (पाश्चात्य) (MHIN-203)	70	30	100	3 Hrs.
4	हिन्दी गद्य -II (हिन्दी कहानी) (MHIN-204)	70	30	100	3 Hrs.

सेमेस्टर : तृतीय (III)

प्रश्न पत्र संख्या	प्रश्न प्रत्र का नाम	ESE	Int.	Total	Duration (EOSE)
1	हिन्दी गद्य -III (हिन्दी नाटक) (MHIN-301)	70	30	100	3 Hrs.
2	निर्गुण काव्य (MHIN-302)	70	30	100	3 Hrs.
3	भाषा विज्ञान -I (MHIN-303)	70	30	100	3 Hrs.
4	रीतिकालीन काव्य (MHIN-304)	70	30	100	3 Hrs.
5(A)	(क) कवि, साहित्यकार (1) तुलसीदास (MHIN-305 (A))	70	30	100	3 Hrs.
5(B)	(क) कवि, साहित्यकार (2) प्रेमचन्द (MHIN-305 (B))	70	30	100	3 Hrs.

सेमेस्टर : चतुर्थ (IV)

प्रश्न पत्र संख्या	प्रश्न प्रत्र का नाम	ESE	Int.	Total	Duration (EOSE)
1	आलोचना एवं आलोचक (MHIN-401)	70	30	100	3 Hrs.
2	आधुनिक काव्य -I (MHIN-402)	70	30	100	3 Hrs.
3	भाषा विज्ञान -II (MHIN-403)	70	30	100	3 Hrs.
4	आधुनिक काव्य -II (MHIN-404)	70	30	100	3 Hrs.
5(A)	(क) कवि, साहित्यकार (1) तुलसीदास (MHIN-405 (A))	70	30	100	3 Hrs.
5(B)	(क) कवि, साहित्यकार (2) प्रेमचन्द (MHIN-405 (B))	70	30	100	3 Hrs.

एम.ए. (पूर्वार्द्ध) हिन्दी
(एम.ए. प्रीवियस हिन्दी)
प्रथम सेमेस्टर पाठ्यक्रम
प्रथम प्रश्न–पत्र : हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदिकाल एवं भक्तिकाल) (MHIN-101)

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. तीन प्रश्न निबन्धात्मक, आलोचनात्मक (शब्द सीमा : 500 शब्द) प्रत्येक खण्ड से एक (आन्तरिक विकल्प देय होंगे)। — 3×20 = 60 अंक
2. दो प्रश्न टिप्पणीपरक (शब्द सीमाः 200 शब्द) तीनों खण्ड़ों में से (आन्तरिक विकल्प देय होंगे)। — 2×5 = 10 अंक

	70 अंक
3. सेमेस्टर परीक्षा की समयावधि–	3 घण्टे
आन्तरिक मूल्यांकन–	30 अंक
अधिकतम अंक–	100 अंक
न्यूनतम अंक–	40 अंक

पाठ्यांशः

खण्ड–क– हिन्दी साहित्य के इतिहास का काल विभाजन एवं नामकरण, आदिकालीन काव्य धाराएँ – सिद्धनाथ एवं जैन साहित्य, प्रमुख रासो काव्य और उनकी प्रामाणिकता, अमीर खुसरो की हिन्दी कविता, विद्यापति की कीर्तिलता और पदावली, आदिकालीन हिन्दी साहित्य की सामान्य विशेषताएँ।

खण्ड–ख– मध्यकाल : भक्ति आन्दोलन : उदय के सामाजिक–सांस्कृतिक कारण, भक्ति आन्दोलन का अखिल भारतीय स्वरूप और उसका अन्तः प्रादेशिक वैशिष्ट्य। हिन्दी सन्तकाव्य–वैचारिक आधार, भारतीय धर्म साधना और हिन्दी का संत काव्य, प्रमुख संतःकबीर, नानक, दादू, रैदास, रज्जब तथा जम्भनाथ। हिन्दी सूफी काव्य–वैचारिक आधार, हिन्दी में प्रेमाख्यानों की परम्परा, सूफी प्रेमाख्यान का स्वरूप, हिन्दी का सूफीकाव्य, प्रमुख सूफी कवि–मुल्ला दाऊद, कुतुबन, मंझन तथा जायसी।

खण्ड–ग– हिन्दी कृष्ण काव्य– वैचारिक आधार और विभिन्न सम्प्रदाय, कृष्ण भक्ति शाखा के कवि और काव्य। प्रमुख कवि–सूरदास, नन्ददास, मीरा, रसखान। हिन्दी रामकाव्य–वैचारिक आधार और विभिन्न सम्प्रदाय, राम भक्ति शाखा के कवि और काव्य।

अनुशंसित ग्रंथः–

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, 2. हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ. नगेन्द्र (सं.), 3. आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहासः डॉ. लक्ष्मी सागर वार्ष्णेय, 4. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास : डॉ. रामकुमार वर्मा, 5. हिन्दी साहित्य का आदिकाल : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, 6. हिन्दी साहित्य की भूमिका : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, 7. हिन्दी साहित्य का अतीत (दो भाग) : विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, 8. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास : डॉ. बच्चन सिंह, 9. हिन्दी साहित्य और संवदेना का विकास : डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी।

एम.ए. (पूर्वार्द्ध) हिन्दी
(एम.ए. प्रीवियस हिन्दी)
प्रथम सेमेस्टर पाठ्यक्रम
द्वितीय प्रश्न–पत्र : प्राचीन काव्य (MHIN-102)

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. तीन व्याख्याएँ प्रत्येक खण्ड से एक (आन्तरिक विकल्प देय होंगे) — 3×8 = 24 अंक
2. तीन प्रश्न प्रत्येक खण्ड से एक निबन्धात्मक, आलोचनात्मक (शब्द सीमा : 450 शब्द) (आन्तरिक विकल्प देय होंगे)। खण्ड 'क' का प्रश्न 16 अंक एवं खण्ड 'ख' एवं 'ग' के प्रश्न 15–15 अंक के होंगे। — 1×16 = 16 अंक, 2×15=30 अंक, 70 अंक
3. सेमेस्टर परीक्षा की समयावधि– 3 घण्टे
   आन्तरिक मूल्यांकन– 30 अंक
   अधिकतम अंक– 100 अंक
   न्यूनतम अंक– 40 अंक

पाठ्यांशः

खण्ड–क– बीसलदेव रासोः नरपति नाल्ह – सं. माताप्रसाद गुप्त, पद संख्या 67–76 तक।

खण्ड–ख– विद्यापति – सं. शिवप्रसाद सिंह (पद संख्या 8, 10, 11, 16, 19, 26, 36, 40, 47, 48)।

खण्ड–ग– ढोला मारू रा दूहा : कुशललाभ – सं. डॉ. शम्भू सिंह मनोहर (दोहा संख्या 1 से 20 तक)।

अनुशंसित ग्रंथः

1. हिन्दी साहित्य का आदिकाल : आ. हजारी प्रसाद द्विवेदी
2. विद्यापति : डॉ. शिवप्रसाद सिंह
3. विद्यापति : डॉ. आनन्द प्रकाश दीक्षित
4. आदिकालीन हिन्दी साहित्य : डॉ. शम्भूनाथ पाण्डेय
5. राजस्थानी भाषा और साहित्य : डॉ. मोतीलाल मेनारिया
6. राजस्थानी पिंगल साहित्य : डॉ. मोतीलाल मेनारिया

एम.ए. (पूर्वार्द्ध) हिन्दी
(एम.ए. प्रीवियस हिन्दी)
प्रथम सेमेस्टर पाठ्यक्रम
तृतीय प्रश्न–पत्र : काव्यशास्त्र -I (भारतीय) (MHIN-103)

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. तीन प्रश्न निबन्धात्मक, आलोचनात्मक (शब्द सीमा : 500 शब्द) प्रत्येक खण्ड से एक (आन्तरिक विकल्प देय होंगे)। 3×20 = 60 अंक
2. दो प्रश्न टिप्पणीपरक (शब्द सीमा: 200 शब्द) तीनों खण्डों में से (आन्तरिक विकल्प देय होंगे)। 2×5 = 10 अंक
3. सेमेस्टर परीक्षा की समयावधि– 70 अंक
   आन्तरिक मूल्यांकन– 3 घण्टे
   अधिकतम अंक– 30 अंक
   न्यूनतम अंक– 100 अंक
   40 अंक

पाठ्यांश:

खण्ड–क– साहित्य की परिभाषा, साहित्य की प्रमुख विधाओं का सैद्धान्तिक स्वरूप और विवेचना–प्रबन्ध काव्य (महाकाव्य, खण्डकाव्य), मुक्तक काव्य (गीतिकाव्य, प्रगीतिकाव्य)।

खण्ड–ख– हिन्दी की गद्य विधाएँ : उपन्यास, कहानी, नाटक, आत्मकथा, जीवनी, रिपोर्ताज।

खण्ड–ग– भारतीय काव्यशास्त्र का इतिहास एवं काव्यशास्त्र के विविध सम्प्रदाय: रस, ध्वनि, वक्रोक्ति, रीति, अलंकार, औचित्य।

अनुशंसित ग्रंथ:

1. साहित्यालोचन : श्यामसुन्दरदास
2. काव्यशास्त्र : डॉ. भागीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
3. भारतीय साहित्यशास्त्र भाग एक : बलदेव उपाध्याय
4. भारतीय काव्यशास्त्र की परम्परा : डॉ. नगेन्द्र
5. भारतीय काव्यशास्त्र : सत्यदेव चौधरी

एम.ए. (पूर्वार्द्ध) हिन्दी
(एम.ए. प्रीवियस हिन्दी)
प्रथम सेमेस्टर पाठ्यक्रम
चतुर्थ प्रश्न–पत्र : हिन्दी गद्य -I (हिन्दी उपन्यास एवं निबन्ध) (MHIN-104)

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. तीन व्याख्याएँ प्रत्येक खण्ड से एक (आन्तरिक विकल्प देय होंगे) 3×8 = 24 अंक
2. तीन प्रश्न प्रत्येक खण्ड से एक निबन्धात्मक, आलोचनात्मक (शब्द सीमा : 450 शब्द) (आन्तरिक विकल्प देय होंगे)। खण्ड 'क' का प्रश्न 16 अंक एवं खण्ड 'ख' एवं 'ग' के प्रश्न 15–15 अंक के होंगे। 1×16 = 16 अंक
   2×15=30 अंक
   70 अंक
3. सेमेस्टर परीक्षा की समयावधि– 3 घण्टे
   आन्तरिक मूल्यांकन– 30 अंक
   अधिकतम अंक– 100 अंक
   न्यूनतम अंक– 40 अंक

पाठ्यांशः

खण्ड–क– गोदान : प्रेमचन्द।

खण्ड–ख– समय सरगम – कृष्णा सोबती।

खण्ड–ग– निर्धारित निबंध : साहित्य जनसमूह के हृदय का विकास है (बालकृष्ण भट्ट), देवदारू (आ. हजारीप्रसाद द्विवेदी), उत्तराफाल्गुनी के आस–पास (कुबेरनाथ राय)।

अनुशंसित ग्रंथः

1. प्रेमचन्द के उपन्यासों का शिल्प विधान : डॉ. कमल किशोर गोयनका
2. गोदान : गोपाल राय
3. आधुनिक हिन्दी उपन्यास : संपादक भीष्म साहनी और रामजी मिश्र
4. हिन्दी उपन्यास : उपलब्धियाँ– डॉ. लक्ष्मी सागर वार्ष्णेय
5. हिन्दी उपन्यास : शिवनारायण श्रीवास्तव
6. श्रेष्ठ हिन्दी निबंधकार : डॉ. सुरेश गुप्ता
7. हिन्दी निबंध : उद्भव और विकास : डॉ. ओंकारनाथ शर्मा
8. निबंधकार बालकृष्ण भट्ट : डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

एम.ए. (पूर्वार्द्ध) हिन्दी
(एम.ए. प्रीवियस हिन्दी)
द्वितीय सेमेस्टर पाठ्यक्रम
प्रथम प्रश्न–पत्र : हिन्दी साहित्य का इतिहास (रीतिकाल एवं आधुनिक काल) (MHIN-201)

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. तीन प्रश्न निबन्धात्मक, आलोचनात्मक (शब्द सीमा : 500 शब्द) प्रत्येक खण्ड़ से एक (आन्तरिक विकल्प देय होंगे)। 3×20 = 60 अंक
2. दो प्रश्न टिप्पणी परक (शब्द सीमाः 200 शब्द) तीनों खण्ड़ों में से (आन्तरिक विकल्प देय होंगे)। 2×5 = 10 अंक
   70 अंक
3. सेमेस्टर परीक्षा की समयावधि– 3 घण्टे
   आन्तरिक मूल्यांकन– 30 अंक
   अधिकतम अंक– 100 अंक
   न्यूनतम अंक– 40 अंक

पाठ्यांशः

खण्ड–क– रीतिकाल–नामकरण की समस्या, तत्कालीन दरबारी संस्कृति और रीतिकाल, प्रमुख प्रवृत्तियाँ (रीतिबद्ध, रीतिमुक्त, रीतिसिद्ध) रीतिकाल के प्रमुख कवि–केशवदास, मतिराम, देव, पद्माकर, बिहारीलाल, भूषण तथा घनानन्द।

खण्ड–ख– आधुनिक काल का काव्य : 1857 की क्रान्ति और सांस्कृतिक पुनर्जागरण, भारतेन्दु और उनका मण्डल। द्विवेदीयुग– महावीर प्रसाद द्विवेदी और उनका युग, प्रमुख काव्य धाराएँ–छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, समकालीन कविता।

खण्ड–ग– आधुनिक काल का गद्य साहित्य : उपन्यास, कहानी, नाटक, निबंध एवं अन्य विधाएँ।

अनुशंसित ग्रंथ :

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ. नगेन्द्र (सं.) मयूर पेपर बैक्स, नई दिल्ली
3. आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ. लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय
4. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास : डॉ. रामकुमार वर्मा
5. हिन्दी साहित्य का आदिकाल : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
6. हिन्दी साहित्य की भूमिका : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
7. हिन्दी साहित्य का अतीत (दो भाग) : विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
8. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास : डॉ. बच्चन सिंह, राधाकृष्ण, दिल्ली
9. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास : डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
10. हिन्दी का गद्य साहित्य : डॉ. रामचंद्र वर्मा

एम.ए. (पूर्वार्द्ध) हिन्दी
(एम.ए. प्रीवियस हिन्दी)
द्वितीय सेमेस्टर पाठ्यक्रम
द्वितीय प्रश्न–पत्र : मध्यकालीन काव्य (MHIN-202)

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. तीन व्याख्याएँ प्रत्येक खण्ड से एक (आन्तरिक विकल्प देय होंगे) — 3×8 = 24 अंक
2. तीन प्रश्न प्रत्येक खण्ड से एक निबन्धात्मक, आलोचनात्मक (शब्द सीमा : 450 शब्द) (आन्तरिक विकल्प देय होंगे)। खण्ड 'क' का प्रश्न 16 अंक एवं खण्ड 'ख' एवं 'ग' के प्रश्न 15–15 अंक के होंगे। — 1×16 = 16 अंक, 2×15=30 अंक
   — 70 अंक
3. सेमेस्टर परीक्षा की समयावधि– 3 घण्टे
   आन्तरिक मूल्यांकन– 30 अंक
   अधिकतम अंक– 100 अंक
   न्यूनतम अंक– 40 अंक

पाठ्यांशः

खण्ड–क– भ्रमरगीत सार : सं. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल (पद संख्या 21 से 50 तक)।

खण्ड–ख– विनयपत्रिका : गीता प्रेस, गोरखपुर (पद संख्या 76 से 100 तक, कुल पद 25)।

खण्ड–ग– मीरा मुक्तावली : सम्पादक नरोत्तम स्वामी, श्रीराम मेहरा, आगरा (पद संख्या 26 से 50 तक)।

अनुशंसित ग्रंथ :

1. सूर का भ्रमरगीत : डॉ. शंकरदेव अवतरे
2. सूरदास : बृजेश्वर वर्मा
3. गोस्वामी तुलसीदास : आ. रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
4. तुलसी : डॉ. उदयभानु सिंह
5. मीरा पदावली : डॉ. शम्भु सिंह मनोहर
6. पचरंग चोला पहर सखी री : डॉ. माधव हाड़ा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

एम.ए. (पूर्वार्द्ध) हिन्दी
(एम.ए. प्रीवियस हिन्दी)
द्वितीय सेमेस्टर पाठ्यक्रम
तृतीय प्रश्न–पत्र : काव्यशास्त्र -II (पाश्चात्य) (MHIN-203)

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. तीन प्रश्न निबन्धात्मक, आलोचनात्मक (शब्द सीमा : 500 शब्द) प्रत्येक खण्ड से एक (आन्तरिक विकल्प देय होंगे)। $3 \times 20 = 60$ अंक
2. दो प्रश्न टिप्पणी परक (शब्द सीमाः 200 शब्द) तीनों खण्ड़ों में से (आन्तरिक विकल्प देय होंगे)। $2 \times 5 = 10$ अंक

70 अंक

3. सेमेस्टर परीक्षा की समयावधि– 3 घण्टे
   आन्तरिक मूल्यांकन– 30 अंक
   अधिकतम अंक– 100 अंक
   न्यूनतम अंक– 40 अंक

पाठ्यक्रमः

खण्ड–क– पाश्चात्य काव्यशास्त्र – प्लेटो – काव्य चिंतन, अरस्तु – अनुकरण एवं त्रासदी सिद्धांत, लौंजाइनस – काव्य में उदात्त तत्त्व।

खण्ड–ख– पाश्चात्य काव्यशास्त्र – टी.एस. इलियट – निर्वैयक्तिता का सिद्धान्त, आई.ए. रिचर्ड्स – सम्प्रेषण का सिद्धान्त, क्रोंचे – अभिव्यंजनावाद। नई समीक्षा।

खण्ड–ग– आलोचना (सैद्धान्तिक तथा व्यावहारिक), हिन्दी का आलोचना शास्त्र – पाठालोचन, सैद्धान्तिक, ऐतिहासिक, तुलनात्मक, मनोवैज्ञानिक।

अनुशंसित ग्रंथः

1. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : डॉ. देवेन्द्रनाथ शर्मा
2. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : शान्तिस्वरूप गुप्त
3. समीक्षा लोक : डॉ. भागीरथ मिश्र
4. पाश्चात्य काव्य सिद्धान्त : गोविन्द त्रिगुणायत
5. शास्त्रीय समीक्षा के सिद्धान्त : गोविन्द त्रिगुणायत
6. पाश्चात्य काव्यशास्त्र का इतिहास – तारकनाथ बाली, किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली
7. पाश्चात्य साहित्य चिंतन – डॉ. निर्मला जैन, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
8. पाठालोचन : डॉ. सत्येन्द्र

एम.ए. (पूर्वार्द्ध) हिन्दी
(एम.ए. प्रीवियस हिन्दी)
द्वितीय सेमेस्टर पाठ्यक्रम
चतुर्थ प्रश्न–पत्र : हिन्दी गद्य -II (हिन्दी कहानी) (MHIN-204)

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. तीन व्याख्याएँ प्रत्येक खण्ड से एक (आन्तरिक विकल्प देय होंगे) $3 \times 8 = 24$ अंक
2. तीन प्रश्न प्रत्येक खण्ड से एक निबन्धात्मक, आलोचनात्मक (शब्द सीमा : 450 शब्द) (आन्तरिक विकल्प देय होंगे)। खण्ड 'क' का प्रश्न 16 अंक एवं खण्ड 'ख' एवं 'ग' के प्रश्न 15–15 अंक के होंगे। $1 \times 16 = 16$ अंक
   $2 \times 15 = 30$ अंक
   70 अंक
3. सेमेस्टर परीक्षा की समयावधि– 3 घण्टे
   आन्तरिक मूल्यांकन– 30 अंक
   अधिकतम अंक– 100 अंक
   न्यूनतम अंक– 40 अंक

पाठ्यांशः

खण्ड–क– **निर्धारित आधुनिक कहानियाँः**

1.	कफन	–	प्रेमचन्द
2.	रोज	–	अज्ञेय
3.	जिन्दगी और जोंक	–	अमरकान्त
4.	खोई हुई दिशाएँ	–	कमलेश्वर

खण्ड–ख–

1.	तीसरी कसम	–	फणीश्वरनाथ रेणु
2.	परिन्दे	–	निर्मल वर्मा
3.	यही सच है	–	मन्नू भंडारी

खण्ड–ग–

1.	जहाँ लक्ष्मी कैद है	–	राजेन्द्र यादव
2.	विनाश दूत	–	मृदुला गर्ग
3.	परायी प्यास का सफर	–	आलमशाह खान

अनुशंसित ग्रंथ :

1. मन्नू भंडारी का कथा साहित्य – गुलाबराव हाड़े
2. नई कहानी : संवेदना और शिल्प : राजेन्द्र यादव
3. हिन्दी कहानी : प्रक्रिया और पाठ : सुरेन्द्र चौधरी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
4. हिन्दी कहानी : अन्तरंग पहचान : डॉ. रामदरश मिश्र
5. एक दुनिया समानान्तर : सम्पादक राजेन्द्र यादव, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
6. प्रतिनिधि कहानियाँ : स्वयं प्रकाश
7. कहानी : नई कहानी : डॉ. नामवर सिंह, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
8. कथाकार मन्नू भंडारी : अनीता राजूरकर
9. हिन्दी कहानी का इतिहास भाग 1,2,3 – गोपाल राय

एम.ए. (उत्तरार्द्ध) हिन्दी

(एम.ए. फाइनल हिन्दी)

तृतीय सेमेस्टर पाठ्यक्रम

प्रथम प्रश्न–पत्र : हिन्दी गद्य -III (हिन्दी नाटक) (MHIN-301)

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. तीन व्याख्याएँ प्रत्येक खण्ड से एक (आन्तरिक विकल्प देय होंगे) 3×8 = 24 अंक
2. तीन प्रश्न प्रत्येक खण्ड से एक निबन्धात्मक, आलोचनात्मक (शब्द सीमा : 450 शब्द) (आन्तरिक विकल्प देय होंगे)। खण्ड 'क' का प्रश्न 16 अंक एवं खण्ड 'ख' एवं 'ग' के प्रश्न 15–15 अंक के होंगे। 1×16 = 16 अंक
   2×15=30 अंक
   70 अंक
3. सेमेस्टर परीक्षा की समयावधि– 3 घण्टे
   आन्तरिक मूल्यांकन– 30 अंक
   अधिकतम अंक– 100 अंक
   न्यूनतम अंक– 40 अंक

पाठ्यक्रमः

खण्ड–क– अंधेर नगरी : भारतेन्दु हरिशचन्द्र।

खण्ड–ख– स्कन्दगुप्त : जयशंकर प्रसाद।

खण्ड–ग– आषाढ़ का एक दिन : मोहन राकेश।

अनुशंसित ग्रंथः

1. आज के रंग नाटक : गिरीश रस्तोगी
2. अंधेर नगरी : सं. गिरीश रस्तोगी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
3. रंग दर्शन : नेमीचन्द्र जैन
4. जयशंकर प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन : जगन्नाथ शर्मा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
5. बीसवीं सदी में हिन्दी नाटक और रंगमंच : गिरीश रस्तोगी, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली

एम.ए. (उत्तरार्द्ध) हिन्दी
(एम.ए. फाइनल हिन्दी)
तृतीय सेमेस्टर पाठ्यक्रम
द्वितीय प्रश्न–पत्र : निर्गुण काव्य (MHIN-302)

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. तीन व्याख्याएँ प्रत्येक खण्ड से एक (आन्तरिक विकल्प देय होंगे) — 3×8 = 24 अंक
2. तीन प्रश्न प्रत्येक खण्ड से एक निबन्धात्मक, आलोचनात्मक (शब्द सीमा : 450 शब्द) (आन्तरिक विकल्प देय होंगे)। खण्ड 'क' का प्रश्न 16 अंक एवं खण्ड 'ख' एवं 'ग' के प्रश्न 15–15 अंक के होंगे। — 1×16 = 16 अंक, 2×15=30 अंक — 70 अंक
3. सेमेस्टर परीक्षा की समयावधि– 3 घण्टे
   आन्तरिक मूल्यांकन– 30 अंक
   अधिकतम अंक– 100 अंक
   न्यूनतम अंक– 40 अंक

पाठ्यक्रमः

खण्ड–क– कबीर : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन (पद संख्या 1, 2, 5, 10, 11, 12, 14, 22, 35, 39, 42, 49, 55, 57, 66) कुल 15 पद।

खण्ड–ख– जायसी ग्रंथावली : सं. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा (**नागमति वियोग खण्ड – प्रथम 10 दोहे**)।

खण्ड–ग– दादूदयाल : श्री दादू वाणी : सं. रामप्रसाद दास स्वामी, प्रकाशक दादुदयालु, जयपुर, अथराग असावरी, पद संख्या 213 से 230 तक

अनुशंसित ग्रंथः

1. कबीर : विजेन्द्र स्नातक
2. कबीर साहित्य की परख : गोविन्द त्रिगुणयत
3. राजस्थान का संत साहित्य : पुरूषोत्तम मेनारिया
4. राजस्थानी भाषा और साहित्य : डॉ. हीरालाल माहेश्वरी
5. हिन्दी काव्य में निर्गुण सम्प्रदाय : डॉ. पीताम्बरदत्त बड़थवाल
6. उत्तरी भारत की संत परम्परा : परशुराम चतुर्वेदी
7. जायसी ग्रंथावली : सं. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
8. जायसी : विजयदेवनारायण साही

एम.ए. (उत्तरार्द्ध) हिन्दी
(एम.ए. फाइनल हिन्दी)
तृतीय सेमेस्टर पाठ्यक्रम
तृतीय प्रश्न–पत्र : भाषा विज्ञान -I (MHIN-303)

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. तीन प्रश्न निबन्धात्मक, आलोचनात्मक (शब्द सीमा : 500 शब्द) प्रत्येक खण्ड़ से एक (आन्तरिक विकल्प देय होंगे)। 3×20 = 60 अंक
2. दो प्रश्न टिप्पणीपरक (शब्द सीमाः 200 शब्द) तीनों खण्ड़ों में से (आन्तरिक विकल्प देय होंगे)। 2×5 = 10 अंक
3. सेमेस्टर परीक्षा की समयावधि– 70 अंक
   आन्तरिक मूल्यांकन– 3 घण्टे
   अधिकतम अंक– 30 अंक
   न्यूनतम अंक– 100 अंक
   40 अंक

पाठ्यक्रमः

खण्ड–क– भाषाः अर्थ, महत्त्व, विशेषताएँ, परिवर्तन के कारण, भाषा के विविध रूप, भाषा विज्ञान से तात्पर्य, ज्ञान की अन्य शाखाओं से सम्बन्ध, भाषा अध्ययन के विविध प्रकार, मूल अवधारणाएँ एवं सामान्य परिचय, ध्वनि विज्ञान, रूप विज्ञान, वाक्य विज्ञान एवं शब्द विज्ञान।

खण्ड–ख– अर्थ परिवर्तन के कारण और दिशाएँ, ध्वनि परिवर्तन के कारण और दिशाएँ– ध्वनियों का वर्गीकरण, रूप परिवर्तन एवं वाक्य परिवर्तन के कारण और दिशाएँ।

खण्ड–ग– भारत के विविध भाषा परिवार– आर्य, द्रविड, कोल एवं नाग, प्राचीन एवं मध्यकालीन आर्य भाषाएं– संस्कृत, पालि, प्राकृत, अपभ्रंश अवहट्ट, पुरानी हिन्दी।

अनुशंसित ग्रंथः

1. भाषा विज्ञानः डॉ. भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहाबाद
2. भाषा विज्ञानः डॉ. द्वारिका प्रसाद सक्सेना
3. हिन्दी भाषा का इतिहासः डॉ. देवेन्द्र नाथ शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
4. हिन्दी भाषा का इतिहासः डॉ धीरेन्द्र वर्मा, हिन्दुस्तान एकेड़ेमी
5. हिन्दी भाषा का उद्‌भव और विकासः डॉ. उदयनारायण तिवारी
6. हिन्दी की बोलियाँ एवं उपभाषाएंः डॉ. हरदेव बाहरी
7. भाषा विज्ञान एवं भाषाशास्त्रः डॉ. कपिल देव द्विवेदी
8. राजस्थानी भाषाः डॉ. सुनीति कुमार चटर्जी, राजस्थान विद्यापीठ, उदयपुर
9. हिन्दी भाषा का ऐतिहासिक व्याकरणः डॉ. माताबदल जायसवाल
10. हिन्दी भाषा और साहित्यः डॉ. भोलानाथ तिवारी
11. भारत के प्राचीन भाषा परिवार और हिन्दी : डॉ. रामविलास शर्मा

एम.ए. (उत्तरार्द्ध) हिन्दी
(एम.ए. फाइनल हिन्दी)
तृतीय सेमेस्टर पाठ्यक्रम
चतुर्थ प्रश्न–पत्र : रीतिकालीन काव्य (MHIN-304)

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1.	तीन व्याख्याएँ प्रत्येक खण्ड से एक (आन्तरिक विकल्प देय होंगे)	3×8 = 24 अंक
2.	तीन प्रश्न प्रत्येक खण्ड से एक निबन्धात्मक, आलोचनात्मक (शब्द सीमा : 450 शब्द) (आन्तरिक विकल्प देय होंगे)। खण्ड 'क' का प्रश्न 16 अंक एवं खण्ड 'ख' एवं 'ग' के प्रश्न 15–15 अंक के होंगे।	1×16 = 16 अंक 2×15=30 अंक
		70 अंक
3.	सेमेस्टर परीक्षा की समयावधि–	3 घण्टे
	आन्तरिक मूल्यांकन–	30 अंक
	अधिकतम अंक–	100 अंक
	न्यूनतम अंक–	40 अंक

पाठ्य पुस्तकें:

खण्ड–क– बिहारी रत्नाकर : दोहा (पद) संख्या 101 से 125 तक।

खण्ड–ख– भूषण – भूषण ग्रंथावली : सं.आ. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, प्रथम 20 छन्द।

खण्ड–ग– घनानन्द कवित्त : सं.आ. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी वितान प्रकाशन – प्रथम 20 छन्द।

अनुशंसित ग्रंथ:

1. बिहारी की वाग्विभूति : आ. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
2. बिहारी का नया मूल्यांकन : डॉ. बच्चन सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
3. स्वच्छन्द काव्यधारा और घनानन्द : डॉ. मनोहरलाल गौड, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
4. रीतिकाव्य : डॉ. नन्द किशोर नवल
5. भूषण ग्रंथावली : सं.आ. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र।

एम.ए. (उत्तरार्द्ध) हिन्दी
(एम.ए. फाइनल हिन्दी)
तृतीय सेमेस्टर पाठ्यक्रम
पंचम प्रश्न–पत्र : विशिष्ट अध्ययन (कोई एक)
(क) कवि, साहित्यकार
(1) तुलसीदास (MHIN-305 (A))

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. तीन व्याख्याएँ खण्ड क से दो एवं खण्ड ख से एक व्याख्या (आन्तरिक विकल्प देय होंगे) 3×8 = 24 अंक
2. तीन प्रश्न प्रत्येक खण्ड से एक निबन्धात्मक, आलोचनात्मक (शब्द सीमा : 450 शब्द) (आन्तरिक विकल्प देय होंगे)। खण्ड 'क' का प्रश्न 16 अंक एवं खण्ड 'ख' एवं 'ग' के प्रश्न 15–15 अंक के होंगे। 1×16 = 16 अंक
   2×15=30 अंक
   70 अंक
3. सेमेस्टर परीक्षा की समयावधि– 3 घण्टे
   आन्तरिक मूल्यांकन– 30 अंक
   अधिकतम अंक– 100 अंक
   न्यूनतम अंक– 40 अंक

पाठ्यग्रंथः

खण्ड–क– रामचरितमानसः गीताप्रेस गोरखपुर– उत्तरकाण्ड। प्रारम्भ के 15 दोहे।

खण्ड–ख– विनय पत्रिकाः गीताप्रेस गोरखपुर– पद संख्या – 137 से 161 तक।

खण्ड–ग– समीक्षा : तुलसी के साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि।

अनुशंसित ग्रंथः

1. गोस्वामी तुलसीदासः आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
2. तुलसीदास और उनका युगः राजपति दीक्षित
3. तुलसीदासः डॉ. माताप्रसाद गुप्त
4. तुलसीदासः रासबिहारी शुक्ल
5. तुलसीदासः चन्द्रबली पाण्डेय
6. रामचरितमानस का काव्यशास्त्रीय अनुशीलनः डॉ. रामकुमार पाण्ड़ेय
7. तुलसीदर्शनः बल्देव प्रसाद मिश्र
8. तुलसीः काव्य– मीमांसा : डॉ. उदयभानु सिंह

एम.ए. (उत्तरार्द्ध) हिन्दी
(एम.ए. फाइनल हिन्दी)
तृतीय सेमेस्टर पाठ्यक्रम
पंचम प्रश्न–पत्र : विशिष्ट अध्ययन (कोई एक)
(क) कवि, साहित्यकार
(2) प्रेमचन्द (MHIN-305 (B))

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. तीन व्याख्याएँ खण्ड क से दो एवं खण्ड ख से एक व्याख्या (आन्तरिक विकल्प देय होंगे) 3x8 = 24 अंक
2. तीन प्रश्न प्रत्येक खण्ड से एक निबन्धात्मक, आलोचनात्मक (शब्द सीमा : 450 शब्द) (आन्तरिक विकल्प देय होंगे)। खण्ड 'क' का प्रश्न 16 अंक एवं खण्ड 'ख' एवं 'ग' के प्रश्न 15–15 अंक के होंगे। 1x16 = 16 अंक
   2x15 = 30 अंक
   70 अंक
3. सेमेस्टर परीक्षा की समयावधि– 3 घण्टे
   आन्तरिक मूल्यांकन– 30 अंक
   अधिकतम अंक– 100 अंक
   न्यूनतम अंक– 40 अंक

पाठ्यग्रंथः

खण्ड–क– रंगभूमि (उपन्यास)।

खण्ड–ख– कुछ विचार (निबंध संग्रह)।

खण्ड–ग– समीक्षा : प्रेमचंद के साहित्य का समीक्षात्मक अध्ययन।

अनुशंसित ग्रंथः

1. प्रेमचन्द और उनका युग : डॉ. रामविलास शर्मा
2. प्रेमचन्द साहित्य कोष : डॉ. कमल किशोर गोयनका
3. कलम का सिपाही : अमृतराय
4. प्रेमचन्द : सं. विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
5. रंगभूमि : नये आयाम : डॉ. कमल किशोर गोयनका
6. प्रेमचन्द के साहित्य सिद्धान्त : डॉ. नरेन्द्र कोहली

एम.ए. (उत्तरार्द्ध) हिन्दी
(एम.ए. फाइनल हिन्दी)
चतुर्थ सेमेस्टर पाठ्यक्रम
प्रथम प्रश्न–पत्र : आलोचना एवं आलोचक (MHIN-401)

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. तीन प्रश्न निबन्धात्मक, आलोचनात्मक (शब्द सीमा : 500 शब्द) प्रत्येक खण्ड से एक (आन्तरिक विकल्प देय होंगे)। 3×20 = 60 अंक
2. दो प्रश्न टिप्पणीपरक (शब्द सीमाः 200 शब्द) तीनों खण्डों में से (आन्तरिक विकल्प देय होंगे)। 2×5 = 10 अंक
   70 अंक
3. सेमेस्टर परीक्षा की समयावधि– 3 घण्टे
   आन्तरिक मूल्यांकन– 30 अंक
   अधिकतम अंक– 100 अंक
   न्यूनतम अंक– 40 अंक

पाठ्य ग्रंथः

खण्ड–क– हिन्दी आलोचना का उद्भव और विकास।

खण्ड–ख– आलोचनात्मक निबंध : काव्य में लोकमंगल की साधनावस्था (आचार्य रामचन्द्र शुक्ल), भारतीय साहित्य की प्राण शक्ति (आचार्य हजारी प्रसाद दिवेदी) छायावाद (आचार्य नन्द दुलारे वाजपेयी)।

खण्ड–ग– हिन्दी के प्रमुख आलोचक – डॉ. नगेन्द्र, डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी, डॉ. रामविलास शर्मा।

अनुशंसित ग्रंथः

1. आलोचक की आस्था : डॉ. नगेन्द्र
2. आलोचना के आधार स्तम्भ : स. रामेश्वर खण्डेलवाल एवं डॉ. सुरेश चन्द्र गुप्त
3. आलोचक और आलोचना : डॉ. बच्चन सिंह
4. हिन्दी आलोचना का विकास : नन्द किशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
5. आलोचक और आलोचना सिद्धान्त : रतन कुमार पाण्डेय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

एम.ए. (उत्तरार्द्ध) हिन्दी
(एम.ए. फाइनल हिन्दी)
चतुर्थ सेमेस्टर पाठ्यक्रम
द्वितीय प्रश्न–पत्र : आधुनिक काव्य -I (MHIN-402)

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. तीन व्याख्याएँ प्रत्येक खण्ड से एक (आन्तरिक विकल्प देय होंगे) — 3×8 = 24 अंक
2. तीन प्रश्न प्रत्येक खण्ड से एक निबन्धात्मक, आलोचनात्मक (शब्द सीमा : 450 शब्द) (आन्तरिक विकल्प देय होंगे)। खण्ड 'क' का प्रश्न 16 अंक एवं खण्ड 'ख' एवं 'ग' के प्रश्न 15–15 अंक के होंगे। — 1×16 = 16 अंक, 2×15=30 अंक
3. सेमेस्टर परीक्षा की समयावधि– 70 अंक
   आन्तरिक मूल्यांकन– 3 घण्टे
   अधिकतम अंक– 30 अंक
   न्यूनतम अंक– 100 अंक
   40 अंक

पाठ्य ग्रंथः

खण्ड–क– कामायनी : जयशंकर प्रसाद (श्रद्धा सर्ग)।

खण्ड–ख– राग विराग : सं. डॉ. रामविलास शर्मा, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद (**राम की शक्ति पूजा** शीर्षक कविता)।

खण्ड–ग– आंगन के पार द्वार : अज्ञेय, भारतीय ज्ञानपीठ (**असाध्य वीणा** कविता)।

अनुशंसित ग्रंथः

1. कामायनी के अध्ययन की समस्याएँ : डॉ. नगेन्द्र
2. कामायनी एक पुनर्विचार : गजानन माधव मुक्तिबोध
3. निराला की साहित्य साधना : डॉ. रामविलास शर्मा
4. निराला आत्महंत आस्था : दूधनाथ सिंह
5. अज्ञेय : सृजन की समग्रता : डॉ. रामकमल राय, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
6. असाध्य वीणा : पाठ और आलोचनात्मक संदर्भ : सं. छब्बिल कुमार मेहेर, आधार प्रकाशन।

एम.ए. (उत्तरार्द्ध) हिन्दी
(एम.ए. फाइनल हिन्दी)
चतुर्थ सेमेस्टर पाठ्यक्रम
तृतीय प्रश्न–पत्र : भाषा विज्ञान–II (MHIN-403)

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. तीन प्रश्न निबन्धात्मक, आलोचनात्मक (शब्द सीमा : 500 शब्द) प्रत्येक खण्ड़ से एक (आन्तरिक विकल्प देय होंगे)। $3 \times 20 = 60$ अंक
2. दो प्रश्न टिप्पणीपरक (शब्द सीमाः 200 शब्द) तीनों खण्ड़ों में से (आन्तरिक विकल्प देय होंगे)। $2 \times 5 = 10$ अंक
3. सेमेस्टर परीक्षा की समयावधि– 70 अंक
   आन्तरिक मूल्यांकन– 3 घण्टे
   अधिकतम अंक– 30 अंक
   न्यूनतम अंक– 100 अंक
   40 अंक

पाठ्यक्रमः

खण्ड–क– आधुनिक भारतीय आर्य भाषाएँः वर्गीकरण, हिन्दी की उपभाषाएं एवं बोलिया : खड़ी, ब्रज और राजस्थानी (मारवाड़ी, हाडौती और मेवाती), राजभाषा हिन्दी, हिन्दी की ध्वनियाँ, वर्गीकरण एवं सामान्य परिचय।

खण्ड–ख– हिन्दी व्याकरण : संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया विशेषण एवं परसर्ग।

खण्ड–ग– लिपि की परिभाषा, लिपि और भाषा का सम्बन्ध, ब्राह्मी लिपि तथा खरोष्ठी लिपि की विशेषताएँ, देवनागरी लिपि का उद्भव एवं विकास, देवनागरी लिपि की विशेषताएं।

अनुशंसित ग्रंथः

1. भाषा विज्ञानः डॉ. भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहाबाद
2. भाषा विज्ञानः डॉ. द्वारिका प्रसाद सक्सेना
3. हिन्दी भाषा का इतिहासः डॉ. देवेन्द्र नाथ शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
4. हिन्दी भाषा का इतिहासः डॉ धीरेन्द्र वर्मा, हिन्दुस्तान एकेडेमी
5. हिन्दी भाषा का उद्भव और विकासः डॉ. उदयनारायण तिवारी
6. हिन्दी की बोलियाँ एवं उपभाषाएंः डॉ. हरदेव बाहरी
7. भाषा विज्ञान एवं भाषाशास्त्रः डॉ. कपिल देव द्विवेदी
8. राजस्थानी भाषाः डॉ. सुनीति कुमार चटर्जी, राजस्थान विद्यापीठ, उदयपुर
9. हिन्दी भाषा का ऐतिहासिक व्याकरणः डॉ. माताबदल जायसवाल
10. हिन्दी भाषा और साहित्यः डॉ. भोलानाथ तिवारी
11. भारत के प्राचीन भाषा परिवार और हिन्दी : डॉ. रामविलास शर्मा

एम.ए. (उत्तरार्द्ध) हिन्दी
(एम.ए. फाइनल हिन्दी)
चतुर्थ सेमेस्टर पाठ्यक्रम
चतुर्थ प्रश्न–पत्र : आधुनिक काव्य –II (MHIN-404)

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. तीन व्याख्याएँ प्रत्येक खण्ड़ से एक (आन्तरिक विकल्प देय होंगे) — 3×8 = 24 अंक
2. तीन प्रश्न प्रत्येक खण्ड से एक निबन्धात्मक, आलोचनात्मक (शब्द सीमा : 450 शब्द) (आन्तरिक विकल्प देय होंगे)। खण्ड 'क' का प्रश्न 16 अंक एवं खण्ड 'ख' एवं 'ग' के प्रश्न 15–15 अंक के होंगे। — 1×16 = 16 अंक, 2×15=30 अंक
   70 अंक
3. सेमेस्टर परीक्षा की समयावधि– 3 घण्टे
   आन्तरिक मूल्यांकन– 30 अंक
   अधिकतम अंक– 100 अंक
   न्यूनतम अंक– 40 अंक

पाठ्य पुस्तकें :

1. खण्ड–क– मुक्तिबोध की कविताएँ : भूरी–भूरी खाक धूल, बबूल (शीर्षक कविताएँ, भारतीय ज्ञानपीठ)।
2. खण्ड–ख– कात्यायनी की कविताएँ : सात भाइयों के बीच चम्पा, फुटपाथ पर कुर्सी (शीर्षक कविताएँ)।
3. खण्ड–ग– नन्दकिशोर आचार्य की कविताएँ : बाँसुरी और मोर पाँख, गूँगा हो जाना – 1, गूँगा हो जाना – 2, क्या करूंगा रघुवीर जी (शीर्षक कविताएँ, वाग्देवी से प्रकाशित)।

अनुशंसित ग्रंथ :

1. हिन्दी की लम्बी कविताओं का शिल्प विधान : डॉ. नरेन्द्र मोहन
2. मुक्तिबोध : अशोक चक्रधर
3. समकालीन काव्य यात्रा – नन्दकिशोर नवल

एम.ए. (उत्तरार्द्ध) हिन्दी
(एम.ए. फाइनल हिन्दी)
चतुर्थ सेमेस्टर पाठ्यक्रम
पंचम प्रश्न–पत्र : विशिष्ट अध्ययन (कोई एक)
(क) कवि, साहित्यकार
(1) तुलसीदास (MHIN-405(A))

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. तीन व्याख्याएँ खण्ड क से दो एवं खण्ड ख से एक व्याख्या (आन्तरिक विकल्प देय होंगे) $3 \times 8 = 24$ अंक
2. तीन प्रश्न प्रत्येक खण्ड से एक निबन्धात्मक, आलोचनात्मक (शब्द सीमा : 450 शब्द) (आन्तरिक विकल्प देय होंगे)। खण्ड 'क' का प्रश्न 16 अंक एवं खण्ड 'ख' एवं 'ग' के प्रश्न 15–15 अंक के होंगे। $1 \times 16 = 16$ अंक
   $2 \times 15 = 30$ अंक
   70 अंक
3. सेमेस्टर परीक्षा की समयावधि– 3 घण्टे
   आन्तरिक मूल्यांकन– 30 अंक
   अधिकतम अंक– 100 अंक
   न्यूनतम अंक– 40 अंक

पाठ्य ग्रंथ :

खण्ड–क– गीतावली : गीता प्रेस, गोरखपुर (प्रथम 15 छन्द)।

खण्ड–ख– कवितावली : गीता प्रेस, गोरखपुर (प्रथम 20 छन्द)।

खण्ड–ग– समीक्षा : तुलसी के साहित्य में सामाजिक–सांस्कृतिक चेतना।

अनुशंसित ग्रंथः

1. गोस्वामी तुलसीदास : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
2. तुलसीदास और उनका युगः राजपति दीक्षित
3. तुलसीदासः डॉ. माताप्रसाद गुप्त
4. तुलसीदासः चन्द्रबली पाण्डेय
5. तुलसी–काव्य–मीमांसा : डॉ. उदयभानु सिंह

एम.ए. (उत्तरार्द्ध) हिन्दी
(एम.ए. फाइनल हिन्दी)
चतुर्थ सेमेस्टर पाठ्यक्रम
पंचम प्रश्न–पत्र : विशिष्ट अध्ययन (कोई एक)
(क) कवि, साहित्यकार
(2) प्रेमचन्द (MHIN-405(B))

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. तीन व्याख्याएँ खण्ड क से एक एवं खण्ड ख से दो व्याख्याएं (आन्तरिक विकल्प देय होंगे) 3x8 = 24 अंक
2. तीन प्रश्न प्रत्येक खण्ड से एक निबन्धात्मक, आलोचनात्मक (शब्द सीमा : 450 शब्द) (आन्तरिक विकल्प देय होंगे)। खण्ड 'क' का प्रश्न 16 अंक एवं खण्ड 'ख' एवं 'ग' के प्रश्न 15–15 अंक के होंगे। 1x16 = 16 अंक
   2x15 = 30 अंक
   70 अंक
3. सेमेस्टर परीक्षा की समयावधि– 3 घण्टे
   आन्तरिक मूल्यांकन– 30 अंक
   अधिकतम अंक– 100 अंक
   न्यूनतम अंक– 40 अंक

पाठ्यग्रंथः

खण्ड–क– प्रेमचन्द की प्रतिनिधि कहानियाँ।

खण्ड–ख– गबन (उपन्यास)।

खण्ड–ग– समीक्षा : प्रेमचन्द के कथा साहित्य में सामाजिक–सांस्कृतिक चेतना।

अनुशंसित ग्रंथः

1. प्रेमचन्द : जीवन, कला और कृत्तित्व : हंसराज रहबर
2. प्रेमचन्द घर में : शिवरानी देवी
3. किसान, राष्ट्रीय आन्दोलन और प्रेमचन्द : वीर भारत तलवार
4. प्रेमचन्द : साहित्यिक विवेचन : नन्द दुलारे वाजपेयी
5. प्रेमचन्द विश्वकोष (दो खण्ड) : डॉ. कमल किशोर गोयनका